# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

# मासिक प्रतिवेदन

## सितंबर, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

**(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)**

# विषय सूची


| | विषय सूची | पेज नं. |
|---|---|---|
| (A) | दिव्यांगजनों को आपदाओं में महफूज रखने की तैयारी | 03 |
| (B) | हिंदी दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न | 06 |
| (C) | माननीय मंत्री को दी आपदा जोखिम न्यूनीकरण गतिविधियों की जानकारी | 08 |
| (D) | अररिया जिले के युवाओं ने आपदाओं से लड़ने को कसी कमर | 10 |
| (E) | शहरी क्षेत्र के सामुदायिक स्वयंसेवकों टास्क फोर्स का प्रशिक्षण | 11 |
| (F) | "आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप" को अद्यतन किए जाने संबंधी बैठक | 12 |
| (G) | वज्रपात से बचाव व रोकथाम के उपायों पर मंथन | 13 |
| (H) | राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्थापना दिवस समारोह में भागीदारी | 14 |
| (I) | बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण | 15 |
| (J) | एनसीसी के शिविरों में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल | 16 |
| (K) | जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम | 17 |
| (L) | बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम | 19 |
| (M) | जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन | 20 |
| (N) | अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण | 21 |
| (O) | जागरुकता कार्यक्रम के तहत मास मैसेजिंग, पंफलैट व हैंडबिल आदि का वितरण | 22 |
| (P) | अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम | 23 |
| (Q) | व्यय विवरणी | 24 |

## **(A)** दिव्यांगजनों को आपदाओं में महफूज रखने की तैयारी

### कई दौर की बैठकों व कार्यशालाओं में हितभागियों और विशेषज्ञों ने किया विमर्श

### ट्रेनिंग का जो भी मॉड्यूल बने, उसमें सम्प्रेषणनीयता होनी चाहिए : डॉ उदय कांत मिश्र

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दिव्यांगजनों को आपदाओं में महफूज रखने की तैयारी में जुटा है। इस बाबत तैयार किए जा रहे ट्रेनिंग मॉड्यूल पर विमर्श के लिए सितंबर माह में हितभागियों और विशेषज्ञों की कई दौर में बैठकें आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन किया गया। 1 सितंबर को प्राधिकरण में आयोजित बैठक में मूक–बधिर विद्यालय, दृष्टिहीन विद्यालय व दिव्यांगजनों के हितार्थ काम करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत मिश्र ने कहा कि ट्रेनिंग का जो भी मॉड्यूल बने, उसमें सम्प्रेषणनीयता होनी चाहिए। दिव्यांग बच्चों को हम जो समझाना–बताना चाह रहे, उसे उन्होंने संपूर्णता में ग्रहण किया या नहीं, इस कसौटी पर यह खरा उतरना चाहिए। दिव्यांग स्कूल व संस्थाओं के शिक्षक–प्रशिक्षक के लिए अलग मॉड्यूल, वहीं दिव्यांगजनों के लिए अलग ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाया जाएगा। बैठक में माननीय सदस्य श्री पी एन राय ने भी कई अहम सुझाव दिए।

पुनः आगामी 3 सितंबर को प्राधिकरण सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें नेत्रहीन विद्यालय, मूक–बधिर विद्यालय और दिव्यांगजनों के बीच काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग मॉड्यूल का ड्राफ्ट तैयार करने वाली कमेटी ने इस विषय पर गहन माथापच्ची की। इस कमेटी में दृष्टिहीन, शारीरिक रूप से कमजोर, मूक–बधिर भी शामिल हैं। इन्होंने आपदा के वक्त अपनी परेशानियों और जरूरतों से कमेटी के सदस्यों को वाकिफ कराया। कमेटी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और बिहार अग्निशमन सेवा के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। कार्यशाला में विशेषज्ञों के तमाम विचारों पर गौर किया गया। दिव्यांगजन संबंधी आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण मॉडयूल

बनाने के लिए 07 सितंबर को सभागार में विशेषज्ञ समूह की फिर एक बैठक हुई। बैठक में एसडीआरएफ के समादेष्टा (सेकंड इन कमान) केके झा ने विभिन्न आपदाओं से सुरक्षा के लिए पीपीटी के माध्यम से समूह सदस्यों के साथ मशविरा किया। सभी हितभागियों को ध्यान में रख दिव्यांगजन प्रशिक्षण मॉड्यूल को शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्रशिक्षण मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए ड्राफ्टिंग कमेटी की 12 सितंबर को प्राधिकरण सभागार में हुई बैठक में विचार–विमर्श किया गया। प्रस्तावित ट्रेनिंग मॉड्यूल की हार्ड कॉपी सभी हितभागियों को शीघ्र उपलब्ध करा दी जाएगी। इसमें आवश्यक संशोधन के बाद इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त यही शिक्षक–प्रशिक्षक फिर बच्चों को समझ आनेवाली उनकी आसान भाषा में आपदाओं से बचने के गुर सिखाएंगे। आपदा की घड़ी में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसके लिए उन्हें तैयार किया जाएगा। बैठक में प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पीएन राय ने प्रशिक्षण के लिए तैयार की गई विशेष पीपीटी की वॉइस ओवर किसी विशेषज्ञ से करवाने का निर्देश दिया। बैठक में एसडीआरएफ के सेकेंड इन कमांड श्री केके झा ने प्रेजेंटेशन दिया। अग्निशमन सेवा के पदाधिकारी और दिव्यांग विद्यालयों–संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी अपने–अपने सुझाव दिए।

## 200 दिव्यांग छात्रों ने ली आपदाओं से बचने की जानकारी

आशादीप दिव्यांग पुनर्वास एवं शिक्षण संस्थान में एसडीआरएफ ने किया मॉकड्रिल

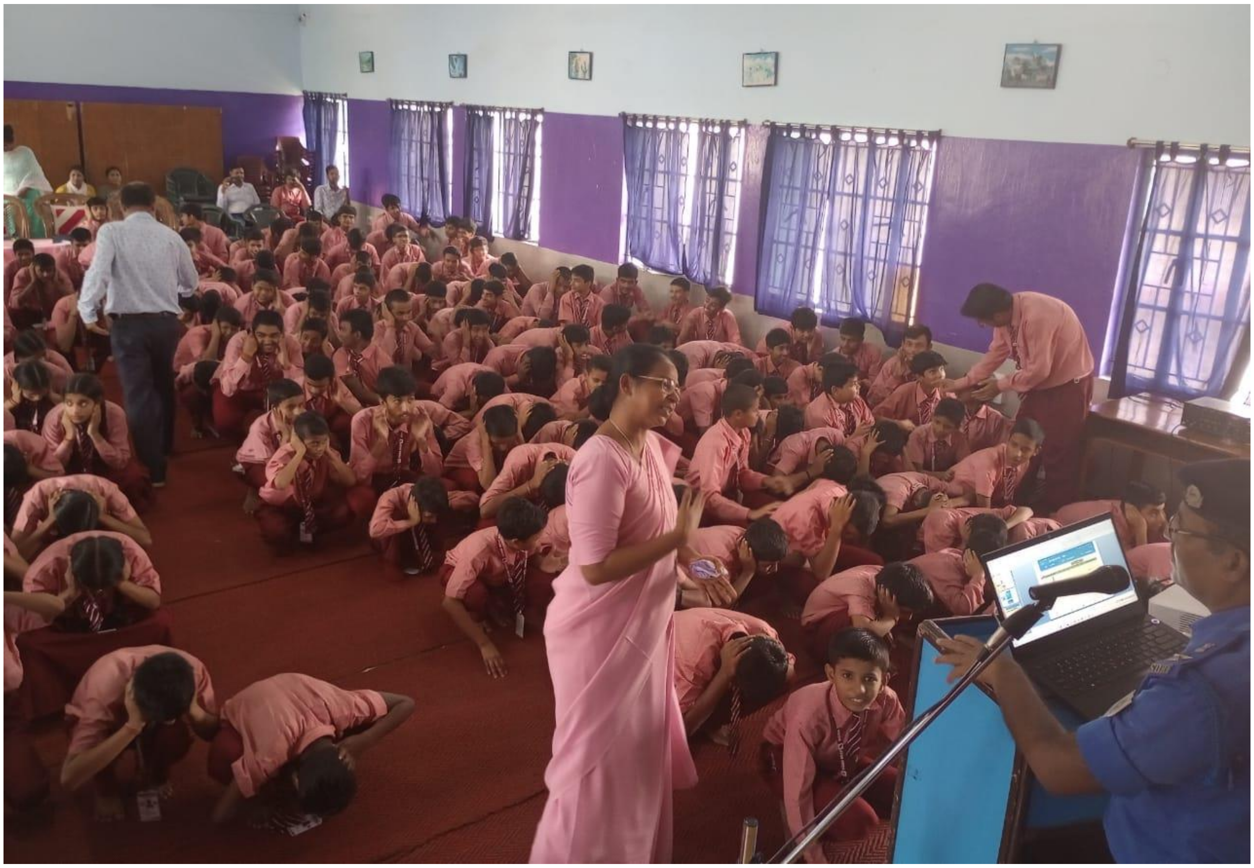

विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षित कैसे रहें, इसकी जानकारी दिव्यांग छात्र–छात्राओं को दी गई। राजधानी के दीघा घाट स्थित आशादीप दिव्यांग पुनर्वास एवं शिक्षण संस्थान के लगभग दो सौ से अधिक दिव्यांग बालक एवं बालिकाओं के साथ–साथ संस्थान के 20 शिक्षकों–प्रशिक्षकों को विशेषज्ञों ने आपदाओं से लड़ने के गुर सिखाए। प्राधिकरण के बैनर तले एसडीआरएफ द्वारा आयोजित मॉकड्रिल में उन्हें भूकंप, वज्रपात, डूबने की स्थिति में बचने के उपाय, सर्पदंश, अगलगी आदि आपदाओं में स्वयं को बचाने के साथ–साथ दूसरों को भी बचाने की जानकारी दी गई। संस्थान के दिव्यांग बच्चों को मॉकड्रिल में शामिल कर बचने और बचाने का अभ्यास भी कराया गया। चूंकि संस्थान में सभी बच्चे मूक–बधिर, बौद्धिक रूप से दिव्यांग व शारीरिक रूप से कमजोर हैं, इसलिए आपदाओं की स्थिति में बचने और बचाने की चुनौती के मद्देनजर उनसे अभ्यास कराकर जानकारी दी गई। उन्हें सभी जानकारी मूक–बधिर को पढ़ानेवाले साइन लैंग्वेज के शिक्षकों द्वारा दी गई। मॉकड्रिल में एसडीआरएफ के कमांडेंट, सेकंड इन कमान श्री केके झा खुद शामिल थे। इस अवसर पर संस्थान की प्रबंधक सिस्टर लिसी एम. और प्राचार्य सिस्टर लिसिल, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के वरीय संपादक कुलभूषण भी मौजूद थे।

## (B) हिंदी दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

**सरकारी कार्य में सहज व सरल हिंदी का करें प्रयोग : पद्मश्री प्रो. उषा किरण खान**

**भाषा आत्मा तो शिक्षा शरीर है, हिंदी को मिले राष्ट्रभाषा का दर्जा : डॉ. राजवर्द्धन आजाद**

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में दो दिवसीय (14–15 सितंबर, 2022) कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले सत्र में प्राधिकरण परिवार से जुड़े लोगों के बीच काव्य पाठ व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दूसरे सत्र में व्याख्यान, पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। प्रख्यात साहित्यकार, लेखिका पद्मश्री प्रो. उषा किरण खान और प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक, लेखक और बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजवर्द्धन आजाद ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्यद्वय श्री पीएन राय व श्री मनीष वर्मा और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

"सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग" विषय पर आयोजित व्याख्यान में पद्मश्री प्रो. उषा किरण खान ने कहा कि सरकारी कार्यों में सरल व सहज हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हिंदी एक समावेशी भाषा है। प्रचलन में आ चुके दूसरी भाषा के शब्दों के भी इस्तेमाल से हमें गुरेज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस मनाने की जरूरत बिहार जैसे प्रांत में नहीं है। बोलियां भले हमारी अलग–अलग हैं। लेकिन हिंदी हमारी रग–रग में है। उत्सव के रूप में इस दिवस को मनाएं। प्रो. खान ने अफसोस जताते हुए कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता मिलने के 73 साल बाद भी हम देश भर में मान्य सरकारी या तकनीकी शब्दावली नहीं बना सके। अंग्रेजी का एक ही शब्द अलग–अलग तरीके से अलग–अलग राज्य में लिखा जाता है। अनुवाद में एकरूपता नहीं है। अपने संबोधन प्रो. खान ने मौजूद

लोगों से आग्रह किया कि भाषा के विकास के लिए हिंदी साहित्य खरीद कर पढ़ा करिए। गड़बड़ी वहीं से शुरू हो जाती है, जब सारा काम हम करते अंग्रेजी में हैं और लिखना हिंदी में चाहते हैं।

"भाषा का शैक्षिक महत्व" विषय पर आयोजित व्याख्यान में डॉ. राजवर्द्धन आजाद ने कहा कि हिंदी हिंदुस्तान की भाषा है। देश के कोने–कोने में बोली जाती है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। अनेकता में एकता की बात होती है। हिंदी में वह ताकत है कि हमें एकता के सूत्र में पिरो सके। हिंदी को अगर राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता मिलती है, तो इससे देश मजबूत होगा। हिंदी का प्रचार–प्रसार हो, आज के दिन हमें यही संकल्प लेने की जरूरत है। कम से कम हस्ताक्षर तो हम हिंदी में करना शुरू करें। उन्होंने कहा कि भाषा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। दुनिया में लाखों आविष्कार हुए। लेकिन भाषा से बड़ा आविष्कार कुछ नहीं हो सकता। भाषा आपस में संवाद का जरिया है। इंसान को इंसान से, विज्ञान से, तकनीकी से, दुनिया से जोड़ने का माध्यम है। भाषा और शिक्षा एक–दूसरे के पूरक हैं। भाषा आत्मा, तो शिक्षा शरीर है। एक–दूसरे के बिना हम इनकी कल्पना नहीं कर सकते। डॉ. आजाद ने कहा कि शिक्षा का स्तर अगर नीचे जा रहा है, तो इसके लिए सिर्फ और सिर्फ शिक्षक जिम्मेवार हैं। छात्र को हम दोषी नहीं ठहरा सकते। समारोह के अंत में प्राधिकरण के समस्त कर्मियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया। सर्वश्रेष्ठ काव्य रचना के लिए डॉ. मंजू दुबे, श्री अनूप कुमार और श्री श्रवण कुमार को पुरस्कृत किया गया। लेखक, कवि श्याम दत्त मिश्र बतौर निर्णायक समारोह में मौजूद रहे।

## (C) माननीय मंत्री को दी आपदा जोखिम न्यूनीकरण गतिविधियों की जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रतिनिधिमंडल ने 06 सितंबर को राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खान से शिष्टाचार मुलाकात की। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत मिश्र, सदस्य श्री पीएन राय व सचिव श्री मीनेंद्र कुमार ने मंत्री महोदय को प्राधिकरण के कार्यों व गतिविधियों से अवगत कराया। प्राधिकरण के बैनर तले आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी उन्हें दी गई। मंत्री महोदय को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण, सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम, सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा और दिव्यांगजनों को आपदाओं से बचाने आदि कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। मंत्री महोदय ने प्राधिकरण के कार्यों की सराहना की और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। इस मौके पर प्राधिकरण परिवार की ओर से श्री शंकर कुमार मिश्र, श्री कुंदन कौशल और श्री संदीप कमल भी मौजूद रहे।

विमर्श के दौरान प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष ने आपदा से जुड़े उन तमाम पहलुओं की विस्तार से चर्चा की जो अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय से ताल्लुक रखते हैं। आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप की एक प्रति मंत्री महोदय को सौंपते हुए उनसे गुजारिश की गई कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सारे कार्य इसमें उल्लिखित हैं। विभागीय पदाधिकारियों से इनका अध्ययन करवा लिया जाए और बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का सहयोग करें ताकि राज्य को आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। उपाध्यक्ष महोदय ने कहा कि कोई भी आपदा आती है, तो उससे सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब होते हैं। खासकर अल्पसंख्यक और भी ज्यादा प्रभावित होते हैं। अल्पसंख्यक वर्ग समाज की पिछली पंक्ति में खड़ा है। समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए उनका हाथ थामने की जरूरत है।

मंत्री महोदय को बताया गया कि राज्य में भूकंप एक बड़ी आपदा है। इससे सर्वाधिक प्रभावित होने वाले जोन–5 के जिलों में हमने कई राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया है जो भूकंपरोधी भवनों को बनाने में पारंगत हैं। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय जो भी भवन या आधारभूत संरचना उन जिलों में खड़ा कर रहा, उसमें इन प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों को काम का मौका दिया जाए। उनके मोबाइल नंबर, पते प्राधिकरण उपलब्ध करा देगा। मंत्री महोदय से गुजारिश की गई कि जब भी अपने क्षेत्र में जाएं तो प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रम मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा अभियान की प्रगति की जरूर समीक्षा करें। हमें जमीनी हकीकत से अवगत कराएं ताकि हम इस अभियान को और कारगर बना सकें। इस अभियान के तहत अब तक राज्य में ढाई करोड़ से ज्यादा बच्चों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। मदरसों के 2000 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है।

मंत्री महोदय को बताया गया कि प्राधिकरण हर प्रखंड में भूकंप सुरक्षा क्लीनिक की स्थापना करना चाहता है। इस केंद्र में सिर्फ भूकंप ही नहीं, हर तरह की आपदाओं से लोगों को सचेत और सतर्क किया जाएगा। अगर आपके प्रयास से आपके क्षेत्र में 1500 स्क्वायर फीट की कोई जगह हमें मिलती है, तो वहां यह केंद्र खोलने की दिशा में प्राधिकरण पहल करेगा। साथ ही उन क्षेत्रों की पहचान कर हमें बताएं, जहां वज्रपात की घटनाएं बढ़ी हैं। प्राधिकरण उन इलाकों में वज्रपात से बचाव के लिए जागरूकता वाहन चलाएगा। क्षेत्र की 10 पंचायतों से 50 युवाओं को सामुदायिक स्वयंसेवक के रूप में तैयार करें। हम उन्हें आपदाओं से लड़ने और लोगों को बचाने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। मंत्री महोदय ने प्रतिनिधिमंडल की बातें गौर से सुनी और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, सड़क दुर्घटना से बचाव जैसे जागरूकता कार्यक्रमों में शरीक होने की इच्छा जताई।

## (D) अररिया जिले के युवाओं ने आपदाओं से लड़ने को कसी कमर

**आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण**

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गांव, पंचायतों, प्रखण्ड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गांव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के मददगार हो सकें। इसी क्रम में सितम्बर माह में 19 तारीख से 30 तारीख के बीच अररिया जिला के कुल 86 स्वयंसेवकों को दो बैचों में राज्य आपदा मोचन बल एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान बिहटा, पटना में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। इस तरह सितम्बर माह तक पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं अररिया जिले के कुल 649 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

## (E) शहरी क्षेत्र के सामुदायिक स्वयंसेवकों (टास्क फोर्स) का प्रशिक्षण

विभिन्न आपदाओं में होने वाले जानमाल के नुकसान की रोकथाम के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सामुदायिक स्वयंसेवकों की फौज तैयार कर रहा। इस उद्देश्य से पटना जिले के राजेंद्र नगर एवं कंकड़बाग क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्था युगान्तर के आपदा जोखिम न्यूनीकरण से जुड़े टास्क फोर्स की नवयुवतियों (वॉलंटियर) का सितम्बर माह में तीन दिवसीय प्राशिक्षण दो बैच में संपन्न हुआ। दिनांक 21/09/2022 से 23/09/2022 एवं 28/09/2022 से 30/09/2022 में कुल 60 नवयुवतियों को विभिन्न आपदाओं से बचाव व रोकथाम के उपायों के संदर्भ में प्रशिक्षित किया गया। इस तरह सितम्बर माह तक पटना जिले की कुल **90** नवयुवतियों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण में शामिल नवयुवतियों को बाढ़, भूकंप, अगलगी, सड़क दुर्घटना समेत अन्य आपदाओं से बचाव की जानकारी और प्राथमिक उपचार के तरीके बताए गए।

## (F) "आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप" को अद्यतन किए जाने संबंधी बैठक

"आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप" को संशोधित एवं अद्यतन किए जाने की बाबत माननीय उपाध्यक्ष, डा॰ उदय कांत मिश्र, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में **दिनांक 16.09.2022 को प्राधिकरण सभाकक्ष में** विभिन्न पहलुओं पर विमर्श किया गया। रोडमैप के अध्ययन एवं अनुश्रवण संबंधी जिम्मेवारी तय करते हुए ग्रुपवार विभिन्न सदस्यों को नामित किया गया। उक्त कार्य हेतु आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा गवर्निंग एवं वर्किंग समितियों का गठन किया गया है। वर्किंग ग्रुप अपने उत्तरदायित्व के अनुसार एक सुनिश्चित समयावधि में सुझावों/ संशोधन संबंधी प्रस्ताव उपलब्ध कराएगा जिसके आलोक में आगामी बैठक में अध्यायवार विमर्श उपरांत आवश्यक संशोधन रोडमैप में किया जाना है।

**विभागीय नोडल पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन के साथ बैठक–सह–कार्यशाला**

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के सन्दर्भ में विभागवार क्रियान्वयन एवं उत्तरदायित्व के दृष्टिकोण से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सभाकक्ष, पटना में दिनांक 23.09.2022 को बैठक–सह–कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुल 32 सबंधित विभागों के आपदा प्रबंधन, नोडल पदधिकारियों के साथ विभिन्न आपदाओं के सन्दर्भ में विभागवार आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु तैयारी एवं उत्तरदायिवत्व, विभागीय आपदा प्रबंधन योजना, राज्य आपदा

शमन निधि (SDMF) की जानकारी व क्रियान्वयन तथा आपदा प्रबंधन संबंधी विभागीय सुदृढ़ीकरण (मानव संसाधन) विषयों पर प्राधिकरण के विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुति दी गई तथा विषय अधारित संवेदीकरण किया गया।

## (G) वज्रपात से बचाव व रोकथाम के उपायों पर मंथन

दिनांक 16.09.2022 को माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में राज्य में वज्रपात से होनेवाली मृत्यु को कम करने हेतु रोकथाम के उपायों के संबंध में तड़ित चालक एवं हूटर/सायरन लगाये जाने के लिए बैठक में विस्तृत विमर्श किया गया। सायरन जल मीनारों पर लगाने पर चर्चा हुई और लोक स्वास्थ्य अभियन्त्रण विभाग को सभी पंचायतों में स्थापित जल मीनार की विवरणी उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। पंचायती राज विभाग के प्रतिनिधि द्वारा कहा गया कि पंचायतों में प्राथमिक स्कूल/पंचायत भवन पर तड़ित चालक लगाए जाने की आवश्यकता है। उक्त विमर्श के उपरान्त यह निर्णय लिया गया कि वज्रपात से बचाव एवं रोकथाम हेतु तीन स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

- ❖ तकनीकी रूप से सुदृढ़ तड़ित चालक का अधिष्ठापन।
- ❖ खेतों/खुले स्थानों पर स्थानीय संसाधन से बने तड़ित चालक को लगाया जाना।
- ❖ जन जागरूकता एवं जल मीनार पर सायरन/हूटर का अधिष्ठापन।

माननीय उपाध्यक्ष द्वारा दिनांक 26.09.2022 को अन्य संबंधित फर्म आदि को बुलाकर तकनीकी पहलुओं के सन्दर्भ में बैठक का आयोजन किए जाने हेतु निदेशित किया गया।

राज्य में वज्रपात संबंधी घटनाओं में वृद्धि के दृष्टिगत विभिन्न संवेदनशील चिन्हित स्थानों पर एरेस्टर एवं हूटर/सायरन आदि के अधिष्ठापन हेतु दिनांक 16.09.2022 के बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में वस्तु विशेष विवरणी पर प्रस्तुति हेतु दिनांक 26.09.2022 को बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में विशेष कार्य पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन, समादेष्टा, राज्य आपदा मोचन बल, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, उर्जा विभाग, पंचायती राज विभाग, जीविका, कृषि विभाग एवं संबंधित फर्म ने भाग लिया। बैठक में सबंधित फर्मो द्वारा प्रस्तुति दी गयी जिसके आलोक में एक समिति का गठन करते हुए यह निर्णय लिया गया कि समिति तडित चालक एवं हूटर का तकनिकि दृष्टिकोण से प्रस्ताव पर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन कर प्रतिवेदन प्राधिकरण स्तर पर उपलब्ध कराएगा।

## (H) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्थापना दिवस समारोह में भागीदारी

28 सितंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 18वें स्थापना दिवस समारोह में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की भी भागीदारी रही। सामुदायिक वॉलंटियर (आपदा मित्र) कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर राज्य के वालंटियर की गतिविधियों पर प्रस्तुति दी गई जिसमें उनके द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए किए गए सराहनीय कार्यो एवं भविष्य में इनकी उपयोगिता के सबंध में प्रकाश डाला गया। बिहार राज्य के अररिया, पूर्णिया एवं मुजफ्फरपुर जिले से चार वॉलंटियर द्वारा प्रदर्शनी गैलरी में आपदा प्रत्युत्तर किट का प्रदर्शन करते हुए माननीय गृह राज्य मंत्री को कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

## (I) बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण

राज्य में डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाने के उद्देश्य से सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत गया जिले के फतेहपुर, वजीरगंज एवं टनकुप्पा प्रखण्डों में जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 06 से 18 आयु वर्ग के बालकों का प्रशिक्षण सितंबर माह 2022 में संचालित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन संबंधित जिला प्रशासन द्वारा NINI, पटना में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गया द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालकों का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास के प्रशिक्षण को सम्पन्न करवाया गया। सितंबर माह 2022 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

| क्र0 सं0 | जिला का नाम | प्रखण्ड | प्रशिक्षण की तिथि (सितंबर माह 2022) | बैचों की संख्या | सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | गया | फतेहपुर | 30-08-2022 से 10–09-2022, 12 –09 – 2022 से 23 –09–2022 | 02 | 42 |
| 02 | गया | टनकुप्पा | 22–08–2022 से 02–09–2022 | 01 | 56 |
| | | | | कुल | **98** |

सितंबर माह 2022 गया जिले के फतेहपुर एवं टनकुप्पा प्रखण्ड में कुल 98 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 1222 +98 =1320 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

## (J) एनसीसी के शिविरों में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एनसीसी उड़ान एवं एसडीआरएफ के सहयोग से एनसीसी के कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित एनसीसी शिविरों के दौरान सम्पन्न करवाया जाता है। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय, डूबने की घटनाओं की रोकथाम से बचाव के उपाय, ठनका से बचाव के उपाय, भूकंप से बचाव हेतु हस्त–पुस्तिकाओं / प्रचार –प्रसार सामग्रियों का वितरण (क्या करें, क्या नहीं करें), अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण तथा एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु मॉकड्रिल कराया जाता है।

यह कार्यक्रम सितंबर माह 2022 में निम्नलिखित शिविरों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कैडेट्स के बीच संचालित किया गया :–

| क्र0 सं0 | दिनांक | शिविर स्थल | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 01 | 03.09.2022 | एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, पटना। | 220 |
| 02 | 04.09.2022 | आरबी कॉलेज, दलसिंगसराय । | 400 |
| 03 | 06.09.2022 | ओटीसी, बरौनी। | 430 |
| 04 | 08.09.2022 | एमपी कॉलेज, मोहनिया, कैमूर। | 380 |
| 05 | 09.09.2022 | एनसीसी ग्रुप मुख्यालय,पटना। | 280 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 06 | 13.09.2022 | हाई स्कूल, चाकंद, गया जिला। | 380 |
| 07 | 15.09.2022 | आरबी कॉलेज, दलसिंगसराय । | 410 |
| | 24.09.2022 | एनसीसी ग्रुप मुख्यालय,पटना। | 310 |
| 08 | 27.09.2022 | चाणक्या इंस्टीट्यूट, कोइलवर, भोजपुर। | 430 |
| **कुल** | | | **3240** |

## (K) जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग एवं निर्माण कला मंच आदि के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से विभिन्न जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिले के अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे एवं आस–पास के अवस्थित उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाता है।

उक्त कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नही करें) का प्रदर्शन, चित्रकारी प्रतियोगिता, सड़क दुर्घटना में प्रभावित हुये छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है। इस संबंध में माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गयी है।

माह सितंबर, **2022** में निम्नलिखित विद्यालयों/ स्थानों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया :–

| क्र0 सं0 | दिनांक | विद्यालय का नाम | प्रतिभागियों की संख्या (लगभग) |
|---|---|---|---|
| 1 | 10.09.2022 | 1.दून पब्लिक स्कूल, रामजानपुर चौक, बेगूसराय<br>2.बी. वी. एम. हाई स्कूल, बसंत विहार, लालू नगर, बेगूसराय | 375 |
| 2 | 14.09.2022 | 3.प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल गिरियक, नालंदा<br>4.उत्क्रमित हाई स्कूल,पुरैनी,गिरियक, नालंदा | 380 |
| 3 | 15.09.2022 | 5. जिला हाई स्कूल, हाथी चौक, गौशाला रोड, मुजफ्फरपुर<br>6. चापमैन राजकीय बालिका विद्यालय, हाथी चौक, गौशाला रोड, मुजफ्फरपुर | 360 |
| 4 | 17.09.2022 | 7.सेंट्रल पब्लिक स्कूल, ताजपुर रोड, समस्तीपुर<br>8. ताजपुर चौक, ताजपुर, समस्तीपुर | 365 |
| 5 | 20.09.2022 | 9. रामाशीष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पटेरी बेलवार, वैशाली<br>10. आर. के. हाई स्कूल, हाजीपुर, वैशाली | 330 |
| 6 | 21.09.2022 | 11. बुद्धा वर्ल्ड हाई स्कूल, वैशाली<br>12. वाल्मीकि टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज | 385 |
| | **कुल** | | **2195** |

सितंबर, 2022 में उक्त कार्यक्रम उल्लिखित जिलों के कुल 12 विद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 2195 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया। इस प्रकार अभी तक 16 जिलों के 70 विद्यालयों/महाविद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें कुल लगभग 8035 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

## (L) बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

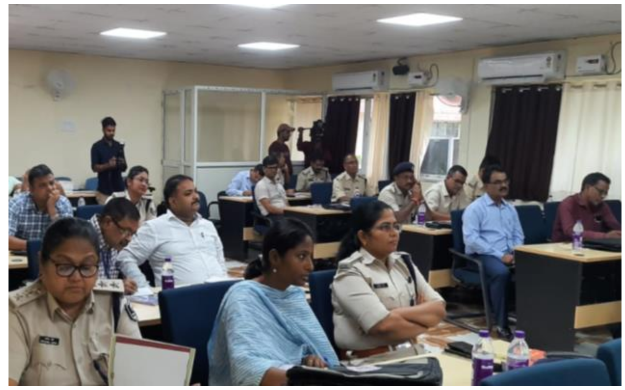

प्राधिकरण द्वारा बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से चलाया जाता है। बिहार पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य, जिला एवं अनुमंडल स्तर पर विधि व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं आमजन को सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते ही हैं, मानवजनित एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी राज्य की ओर से प्रथम रिस्पांडर का कार्य करते हैं। विशेषकर मानवजनित आपदाओं, जैसे भगदड़, सड़क/रेल/हवाई दुर्घटनाओं एवं अगलगी में इनकी भूमिका प्राथमिक महत्व की हो जाती है। साथ ही वे प्राकृतिक आपदाओं की दशा में राहत एवं बचाव कार्यों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि आपदा प्रबंधन की बदलती अवधारणा की पृष्ठभूमि में ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर इनका क्षमतावर्द्धन किया जाए।

उल्लिखित कार्यक्रम का शुभारंभ नवम्बर माह 2019 में किया गया। जून माह 2022 तक कुल 09 बैचों में 217 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया। जुलाई माह 2022 में 10वें एवं 11वें बैच में कुल 78 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 12वें बैच में (दिनाँक 5—7 सितंबर 2022) में कुल 37 पदाधिकारियों,13वें बैच में (14 —16 सितंबर ) कुल 44 पदाधिकारियों एवं 14वें बैच में (26 —28 सितंबर 2022) कुल 28 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस प्रकार कुल अभी तक 404 पुलिस सेवा के पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। इस प्रशिक्षण में मानवजनित आपदाओं में पुलिस की भूमिका, प्राकृतिक आपदाओं में पुलिस की भूमिका, भीड़ प्रबंधन, अस्पताल पूर्व चिकित्सा, अग्नि एवं भूकम्प सुरक्षा पर मॉकड्रिल आदि के बारे में विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी दी गयी।

## (M) जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भागलपुर, खगड़िया, बेगूसराय एवं बांका जिलों की आपदा प्रबंधन योजनाओं को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित करके उक्त जिलों के जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेज दिया गया है। साथ ही प्रत्येक वर्ष इन योजनाओं का अद्यतन किए जाने का अनुरोध भी किया गया है ।

इसी तरह अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण–सह–जिला पदाधिकारी, किशनगंज की अध्यक्षता में दिनांक 29.09.2022 को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सह अध्यक्ष (अध्यक्ष जिला परिषद्) सभी पदेन सदस्यगण के साथ सभी विभागों के पदाधिकारीगण के द्वारा भाग लिया गया। इसमें प्राधिकरण के परियोजना पदाधिकारी के द्वारा जिला आपदा प्रबंधन योजना की महत्ता एवं आवश्यकता की जानकारी दी गई। योजना के तहत प्रत्येक वर्ष दो बार सभी विभागों के साथ आपदा पूर्व तैयारियों की समीक्षा एवं जिला आपदा प्रबंधन योजना को प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाना अनिवार्य है। अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण–सह–जिला पदाधिकारी, किशनगंज, सह–अध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों की सहमति से जिला आपदा प्रबंधन योजना, किशनगंज का अनुमोदन कर दिया गया।

उत्तर बिहार के चार जिलों, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और पश्चिमी चंपारण (बेतिया) की जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है। मुजफ्फरपुर में जिलाधिकारी के साथ बैठक कर डीडीएमपी की समीक्षा की गई और महीने के अंत तक इसे पूरा कर भेजने हेतु प्रभारी पदाधिकारी को जिलाधिकारी महोदय ने आवश्यक निदेश दिया। सीतामढ़ी और बेतिया जिले का भी कार्य शुरू किया गया है तथा जिला स्तर पर लगभग अद्यतन कार्य पूरा हो चुका है। इन सभी जिलों से जिलाधिकारी द्वारा डीडीएमपी अग्रसारित होकर आना बाकी है। दिनांक 30 सितंबर को पश्चिमी चंपारण जिला का डीडीएमपी जिले से अनुमोदनार्थ प्राप्त हुआ है।

शिवहर

इसी तरह भोजपुर, जहानाबाद, लखीसराय, **शिवहर,** सहरसा, जमुई, शेखपुरा, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर जिलों की आपदा प्रबंधन योजनाओं को भी अद्यतन करते हुए अंतिम रूप दिया जा रहा है। शीघ्र ही इन्हें प्राधिकरण स्तर से अनुमोदित कर दिया जाएगा।

## (N) अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

- अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में एनएसडीसी से समन्वय का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संदर्भ में दिनांक 20.9.2022 को एनएसडीसी के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएसडीसी द्वारा राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के संबंध में माननीय उपाध्यक्ष, सदस्य के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया गया। एनएसडीसी को माननीय उपाध्यक्ष द्वारा आवश्यक निदेश दिए गए।

## RVS Guidelines

- IIT पटना के साथ RVS guidelines तैयार करने हेतु Pilot project के आधार पर दिनांक 14 से 16 सितम्बर 2022 तक प्राधिकरण के सलाहकार तकनीकी एवं वरीय शोध पदाधिकारी की उपस्थिति में मगध महिला कॉलेज, पटना के भवन के संरचना अंगों का आवश्यक परीक्षण कार्य किए गए हैं।

## BSTN (Bihar Seismic Telemetry Network)

- BSTN के अंतर्गत field stations के भवनों के कार्य प्रगति के संबंध में भवन निर्माण

निगम के साथ लगातार समन्वय बनाते हुए अग्रेतर कार्य किए जा रहे हैं। इस संबंध में माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में दिनांक 05.09.2022 को बैठक की गई एवं आवश्यक निदेश दिए गए। इस संबंध में बिहार मौसम सेवा केन्द्र के वैज्ञानिकों से सहयोग RFP तैयार किया गया है जिसे निदेशानुसार विशेषज्ञों को अमजजपदह हेतु भेजने की कारवाई की जा रही है।

- भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र

राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण से सम्बन्धित कार्य का प्राधिकरण स्तर से प्राचार्य के अनुरोधानुसार अनुश्रवण कार्य दिनांक 23 एंव 24 सितम्बर 2022 को किया गया।

- आइआइटी, पटना के साथ तकनीकी साझेदारी हेतु एक बैठक की गई जिसमें प्रो. राजीव मिश्रा, कम्प्यूटर सायंस विभाग के साथ विस्तृत वार्ता हुई। प्राधिकरण के आपदा प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्रमों को आइआइटी, पटना के सहयोग से और भी बेहतर बनाया जा सकता है। इस बाबत आइआइटी, पटना से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जो विचाराधीन है।

## (O) जागरुकता कार्यक्रम के तहत मास मैसेजिंग, पंफलैट व हैंडबिल आदि का वितरण

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर, लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसी उद्देश्य से विभिन्न आपदाओं में 'क्या करें, क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लाखों की संख्या में राज्य की जनता को दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542), आंगनबाड़ी सेविका (45946) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों समेत अन्य लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। अगस्त, 2022 में कुल 4736274 मास मैसेजिंग किए गए, जिसमें जीविका दीदी, आशा, जिला परिषद्, सीओ, डीएम और आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मियों, प्रशिक्षित मुखिया, सरपंच एवं आईसीडीएस, जिला परिषद एवं विकास मित्र के लाभार्थी शामिल हैं।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन ⇦ प्राधिकरण के बैनर तले आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता अभियान के तहत दानापुर रेलवे स्टेशन पर 23 सितंबर को प्रचार सामग्री का वितरण किया गया। होर्डिंग और स्टैंडी लगाकर लोगों को विभिन्न आपदाओं की स्थिति में क्या करें, क्या ना करें की जानकारी दी गई। पंफलैट व हैंडबिल आदि का वितरण वहां मौजूद यात्रियों के बीच किया गया।

# (P) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर सितंबर माह में राज्य के कुल 485 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 26 सरकारी एवं 459 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

माह सितम्बर 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

| क्र०सं० | जिला का नाम | कोविड अस्पताल | | | नन कोविड अस्पताल | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सरकारी | निजी अस्पताल | कुल | सरकारी | निजी अस्पताल | कुल |
| 1 | पटना | 00 | 00 | 00 | 05 | 87 | 92 |
| 2 | नालंदा | 00 | 00 | 00 | 00 | 06 | 06 |
| 3 | रोहतास | 00 | 00 | 00 | 00 | 20 | 20 |
| 4 | भभुआ | 00 | 00 | 00 | 00 | 17 | 17 |
| 5 | भोजपुर | 00 | 00 | 00 | 04 | 03 | 07 |
| 6 | बक्सर | 00 | 00 | 00 | 00 | 06 | 06 |
| 7 | गया | 00 | 00 | 00 | 03 | 10 | 13 |
| 8 | जहानाबाद | 00 | 00 | 00 | 00 | 12 | 12 |
| 9 | अरवल | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 |
| 10 | नवादा | 00 | 00 | 00 | 00 | 02 | 02 |
| 11 | औरंगाबाद | 00 | 00 | 00 | 00 | 07 | 07 |
| 12 | छपरा | 01 | 00 | 01 | 00 | 04 | 04 |
| 13 | सिवान | 00 | 00 | 00 | 00 | 03 | 03 |
| 14 | गोपालगंज | 00 | 00 | 00 | 00 | 03 | 03 |
| 15 | मुजफ्फरपुर | 00 | 01 | 01 | 00 | 80 | 80 |
| 16 | सीतामढ़ी | 00 | 00 | 00 | 00 | 14 | 14 |
| 17 | शिवहर | 00 | 00 | 00 | 01 | 01 | 02 |
| 18 | बेतिया | 00 | 00 | 00 | 00 | 03 | 03 |
| 19 | बगहा | 00 | 00 | 00 | 00 | 01 | 01 |
| 20 | मोतिहारी | 00 | 02 | 02 | 00 | 04 | 04 |
| 21 | वैशाली | 00 | 00 | 00 | 00 | 05 | 05 |
| 22 | दरभंगा | 00 | 00 | 00 | 00 | 18 | 18 |
| 23 | मधुबनी | 00 | 00 | 00 | 00 | 27 | 27 |
| 24 | समस्तीपुर | 00 | 00 | 00 | 01 | 05 | 06 |
| 25 | सहरसा | 00 | 00 | 00 | 00 | 06 | 06 |
| 26 | सुपौल | 00 | 00 | 00 | 00 | 05 | 05 |
| 27 | मधेपुरा | 00 | 00 | 00 | 00 | 09 | 09 |
| 28 | पूर्णिया | 00 | 01 | 01 | 01 | 09 | 10 |
| 29 | अररिया | 00 | 00 | 00 | 02 | 09 | 11 |
| 30 | किशनगंज | 00 | 00 | 00 | 00 | 06 | 06 |
| 31 | कटिहार | 00 | 00 | 00 | 00 | 18 | 18 |
| 32 | भागलपुर | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 |
| 33 | नवगछिया | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 |
| 34 | बाँका | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 | 00 |
| 35 | मुंगेर | 00 | 01 | 01 | 00 | 10 | 10 |
| 36 | लखीसराय | 00 | 00 | 00 | 00 | 01 | 01 |
| 37 | शेखपुरा | 01 | 00 | 01 | 05 | 25 | 30 |
| 38 | जमुई | 00 | 00 | 00 | 02 | 01 | 03 |
| 39 | खगड़िया | 00 | 00 | 00 | 00 | 09 | 09 |
| 40 | बेगूसराय | 00 | 00 | 00 | 00 | 08 | 08 |
| | कुल योग | 2 | 5 | 7 | 24 | 454 | 478 |

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 6,095 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

## (Q) व्यय विवरणी

**माह सितम्बर, 2022 में प्राधिकरण में हुए व्यय का विवरण :**

| **कमांक** | **परियोजना का नाम/मद** | **राशि** |
|---|---|---|
| 1. | राजमिस्त्रियों/अभियंताओं का प्रशिक्षण | रु 63,650.00 |
| 2. | सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण | — |
| 3. | सड़क सुरक्षा जागरुकता | रु 10,000.00 |
| 4. | हीट वेव | — |
| 5. | बाढ़/सूखा | — |
| 6. | जन जागरुकता | रु 23,400.00 |
| 7. | वीडीएमपी | — |
| 8. | डीडीएमपी | — |
| 9. | अग्नि सुरक्षा | — |
| 10. | भूकंप/ अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल | — |
| 11. | यात्रा भत्ता | — |
| 12. | प्रोफेशनल्स का पारिश्रमिक/मानदेय | रु 17,37,906.00 |
| 13. | सरकारी सेवक का वेतन | रु 17,44,425.00 |
| | **कुल योग** | **रु 35,79,381.00** |